

(b) if so, whether the new Jumbo service is proposed to touch Calcutta?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI RAJ BAHADUR): (a) Yes, Sir. With effect from March 29, 1976 Air-India have introduced a twice weekly Boeing 747 service to Australia.

(b) No, Sir

मध्य प्रदेश में कार्य कर रही चिटफण्ड कम्पनियों

3499. श्री हुकम चन्द कक्षबाबू : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में इस समय कितनी चिटफण्ड कम्पनियां कार्य कर रही हैं तथा गत तीन वर्षों में ऐसी कितनी और कौन-कौन सी कम्पनियां बन्द हुई ;

(ख) उन कम्पनियों में लोगों ने कितनी धनराशि जमा कराई और क्या वह धनराशि उन्हें वापस कर दी गई है ; और

(ग) ऐसी कितनी चिटफण्ड कम्पनियां हैं जिन्होंने अब तक लोगों की जमा राशि नहीं लौटाई है ?

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रजब कुमार मुन्जर्वा) : (क) से (ग). भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि उसके रिकार्ड के अनुसार मध्य प्रदेश में, 27 चिटफण्ड कम्पनियां कार्य कर रही हैं और पिछले तीन वर्षों के दौरान बन्द होने वाली कम्पनियों के सही सही विवरण उसके पास उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन यह सूचना पाकर कि सुनीता चिट फण्ड फ़ाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर (एक ऐसी कम्पनी, जो रिजर्व बैंक को विवरण भेजने में असफल रही थी) ने अपनी कारोबार बन्द कर दिया है, रिजर्व बैंक ने इस मामले को राज्य सरकार को सूचित कर दिया है और रिजर्व बैंक को यह बताया गया है कि इस मामले में पुलिस जांच

कर रही है। ट्रायफ़ण्ट चिट फण्ड लिमिटेड, जबलपुर के कारोबार बन्द करने के बारे में रिजर्व बैंक को हाल ही में शिकायत मिली है और वह इस मामले की जांच कर रहा है।

रिजर्व बैंक ने यह भी सूचना दी है कि उसके पास बंद हुई कम्पनियों की जमा राशियों के बारे में विवरण उपलब्ध नहीं है।

Release of Stocks of Coarse Cloth to Cooperative and Fair Price Shops

3500. SHRI RAM PRAKASH: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the extent to which the quantity of coarse cloth released for sale during 1974-75 fell short of the actual demand; and

(b) the steps Government have taken to ensure release of adequate stocks of coarse cloth to cooperatives and fair price shops to meet the demand in the country during the current year?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH):

(a) and (b). Apparently reference is to controlled cloth, the production of which is meant to meet, by and large, the cloth requirements of weaker sections of the population. The cloth requirements of these sections are not confined only to controlled varieties, as consumption pattern covers other products like art silk fabrics, blended fabrics, and hosiery goods. However, during the year 1974-75, against the production level of 600 million square metres, the production of controlled cloth reached the level of 823 million square metres. As for the current year, the current levels of production appear adequate to meet the requirements—there are no complaints about the over-all availability of controlled cloth.